तापमान
अधिकतम 29 .9 डिग्री
न्यूनतम 7 .3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

11 स्केटिंग इवेंट्स में रोमांचक मुकाबलों ...

12 शहर के व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस ...

खबर संक्षेप

10 लाख की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी धरे

रोहतक। पुलिस की साइबर थाना टीम ने मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा केस दिखाकर एक महिला से करीब 10 लाख रुपये की ठगी करने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गौरव और अरसद दोनों निवासी मुरादनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि वारदात में शामिल अन्य लोगों और साजिश का पर्दाफाश किया जा सके।

वारदात कर फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। ऑपरेशन ट्रैकडाउन अभियान के तहत रोहतक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाइक छीनने की वारदात में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की गहनता से जांच जारी है। शिवाजी कॉलोनी थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सैनी ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी साहिल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार 4 जुलाई की रात साहिल अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर आईआईएम चौक से सिसरौली की ओर जा रहा था।

नशीले पदार्थ सहित काबू, हेरोइन बरामद

रोहतक। पुलिस की एएनसी स्टाफ टीम ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक युवक को नशीले पदार्थ सहित काबू किया है। आरोपी से 20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एएनसी स्टाफ प्रभारी पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि सब-इंस्पेक्टर संदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम खोखरा कोट के पास गश्त पर मौजूद थी। गश्त के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर घबराया, जिस पर शक होने पर उसे काबू किया गया।

सोशल मीडिया पर दिखाई थी दबंगई, अब सामने आई रंजिश की पुरानी कड़ी

बलियाना डबल मर्डर मामले में नया खुलासा इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ मृतक दीपक का वीडियो

वीडियो में दीपक खुले तौर पर मरने-मारने की बातें कर रहा है और विरोधियों को दे रहा चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव बलियाना गांव में पिता-पुत्र की हत्या के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। मृतक दीपक का एक इंस्टाग्राम वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह दोस्तों के साथ बैठकर दबंगई दिखाता और विरोधियों को धमकी देता नजर आ रहा है। इस वीडियो ने मामले की पृष्ठभूमि को और पेचीदा बना दिया है। दीपक द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में वह अपने साथियों के साथ बैठा है और हथियारों, शराब और हुक्के का प्रदर्शन करता दिख रहा है। वीडियो में दीपक खुले तौर पर मरने-मारने की बातें कर रहा है और विरोधियों को चुनौती दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक, वीडियो में नजर आ रहे कुछ युवक दीपक के जेल में बंद भाई सचिन उर्फ सागर के साथी बताए जा रहे हैं।

7 नवंबर को हुई थी पिता-पुत्र की हत्या

गौरतलब है कि 7 नवंबर 2025 को बलियाना गांव में धर्मबीर और उनके बेटे दीपक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोनों पिता-पुत्र गांव में चौकीदार की बैठक के पास मौजूद थे। बताया जाता है कि हमलावरों ने पहले दीपक पर गोलियां चलाईं और फिर उसके पिता धर्मबीर को घर में घुसकर मौत के घाट उतार दिया।

हत्या की जड़ में पुरानी रंजिश

जांच में यह भी सामने आया है कि इस डबल मर्डर की जड़ एक साल पुरानी रंजिश से जुड़ी हुई है। दरअसल, मई 2023 में धर्मबीर के बड़े बेटे सचिन उर्फ सागर ने गांव के परचून दुकानदार जगबीर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद सचिन जेल चला गया था। पुलिस के मुताबिक, तभी से जगबीर के परिजनों ने बदला लेने की ठान रखी थी।

मौका मिलते ही की गई हत्या

सूत्रों के अनुसार, जगबीर के भाई संजय और उसके साथियों ने सचिन के जेल जाने के बाद मौके की तलाश शुरू कर दी थी। 7 नवंबर को जब उन्हें दीपक और धर्मबीर गांव में नजर आए, तो उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

एफआईआर में संजय का नाम दर्ज

मृतक धर्मबीर के छोटे भाई धर्मराज ने पुलिस को दी शिकायत में मुख्य आरोपी के रूप में संजय का नाम दर्ज करवाया है। शिकायत में कहा गया है कि संजय ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए इस वारदात की साजिश रची। पुलिस ने इस मामले में हत्या और साजिश रचने की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

2023 में धर्मबीर के बेटे सचिन ने गांव के परचून दुकानदार जगबीर की गोली मारकर हत्या कर दी थी

पुलिस का दावा, जल्द होगा पूरा खुलासा

एसपी रोहतक ने बताया कि बलियाना डबल मर्डर केस में पुलिस ने कई अहम सुराग जुटा लिए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और फरार बदमाशों की तलाश में विशेष टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा कि यह मामला पूरी तरह पुरानी रंजिश और आपसी गैंग टकराव का परिणाम है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। बलियाना गांव में हुई यह वारदात न केवल दो परिवारों को उजाड़ गई, सोशल मीडिया पर दिखने वाली दबंगई कभी-कभी असल जिंदगी में जानलेवा साबित हो जाती है।

सावधानी : भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए

दिल्ली धमाके के बाद हाई अलर्ट पर रोहतक

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने सभी थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज को मुख्य बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मॉल, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

लोगों से संदिग्ध वस्तुओं की सूचना देने का किया आग्रह

पुलिस ने बढ़ाई चौकसी सार्वजनिक स्थलों पर सघन गश्त और निगरानी शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार शाम हुए जोरदार धमाके के बाद रोहतक में अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। भीड़भाड़ वाली सार्वजनिक स्थानों और ऐतिहासिक स्थलों पर भी विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली धमाके के बाद रोहतक जिला पुलिस ने भी शहर और ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी है। एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने सभी थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज को मुख्य बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मॉल, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली की घटना गंभीर है। रोहतक पुलिस पूरी तरह अलर्ट पर है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

प्रमुख प्रवेश द्वारों और बॉर्डरों पर नाकेबंदी

पुलिस ने शहर से जुड़ने वाले सभी प्रमुख प्रवेश द्वारों और हाईवे पॉइंट्स पर नाकाबंदी कर दी है। दिल्ली-रोहतक, बहादुरगढ़, सांपला, झज्जर और हांसी रोड पर आने-जाने वाले वाहनों की गहन जांच की जा रही है। सीआईए और क्राइम ब्रांच की टीमें भी अलर्ट मोड पर हैं। वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ होटल, लॉज और धर्मशालाओं में भी अस्थायी रूप से ठहरे लोगों की जांच शुरू की गई है।

प्रशासन ने कैमरों के जांच के दिए निर्देश

पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। शहर के सभी सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता जांचने और रात्रि गश्त बढ़ाने के आदेश भी जारी किए गए हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष 112 नंबर पर दें। पुलिस की टीमें हर आने-जाने वाले वाहन की बारीकी से जांच कर रही हैं। वाहन चालकों से पूछताछ की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

प्रशासन की अपील अफवाहों से बचें

एसपी सुरेंद्र भौरिया ने नागरिकों से कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि रोहतक में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पुलिस हर जगह मुस्तैद है। आमजन को केवल सतर्क रहना है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देनी है। एसपी ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और अपने मकानों में रह रहे किरायेदारों का वेरिफिकेशन जरूर करवाएं, ताकि कोई असामाजिक तत्व कहीं ठिकाना न बना सके। इसके अलावा कच्चे-पक्के रास्तों पर भी निगरानी के लिए गश्त बढ़ा दी गई है।

पुलिस का ऑपरेशन ट्रैकडाउन

पांच दिन, 6 गिरफ्तारी 12 की खुली हिस्ट्रीशीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

प्रदेशभर में चलाया जा रहा ऑपरेशन ट्रैकडाउन अभियान जिले में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी साबित हो रहा है। एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया के नेतृत्व में जिला पुलिस ने बीते पांच दिनों में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसते हुए कई बड़ी कार्यवाही की हैं। अभियान के तहत पुलिस ने फरार चल रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसके अलावा 12 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है, ताकि उन पर पुलिस की सख्त निगरानी रखी जा सके। वहीं, जघन्य अपराधों में शामिल 13 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनसे 8 देसी पिस्तौल, 21 जिंदा रौंद और एक डोगा गन बरामद की गई है।

5 से 20 तक चलेगा अभियान

एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन अभियान 5 नवम्बर से 20 नवम्बर तक चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि इस दौरान फरार, आदतन और संगीन अपराधों में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। जिन अपराधियों पर पहले से ही गंभीर मामले दर्ज हैं, उनकी जमानत रद्द करवाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ताकि वे जेल से बाहर आकर पुनः अपराध न कर सकें।

जघन्य अपराधों में लिप्त 13 अपराधी चढ़े हत्थे

एसपी भौरिया ने आगे बताया कि बीते एक सप्ताह में पुलिस ने जघन्य अपराधों में लिप्त 13 अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें ऐसे आरोपी शामिल हैं जो वारदातों को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़ी घटनाएं होने से पहले ही रोकी जा सकीं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से 8 देसी पिस्तौल-कट्टा, 21 रौंद और एक डोगा गन बरामद की गई है।

अपराधियों में हड़कंप

अभियान की शुरुआत के बाद से ही जिले में अपराधियों में भय और असहजता का माहौल है। कई अपराधी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए छिपते फिर रहे हैं। वहीं, पुलिस की सघन चेकिंग, नाकाबंदी और रात्रि गश्त से अपराध पर नियंत्रण के सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं।

अपराध मुक्त रोहतक की दिशा में बड़ा कदम

ऑपरेशन ट्रैकडाउन के अंतर्गत की गई इन कार्यवाहियों से जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति और बेहतर हुई है। पुलिस ने न केवल अपराधियों को गिरफ्तार किया, बल्कि उनके नेटवर्क, संपत्तियों और गतिविधियों की निगरानी कर यह सुनिश्चित किया है कि भविष्य में अपराधियों को जघन्य वारदातों को अंजाम देने का मौका न मिले। एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने जिलेवासियों से भी अपील की है कि वे अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाया जा सके।

धान खरीद के नाम पर हो रहा सैकड़ों हजार करोड़ का घोटाला: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में धान खरीद के नाम पर लगातार घोटाला हो रहा है। उत्पादन से ज्यादा मंडियों में धान की आवक दिखाई गई। जबकि सच्चाई यह है कि अबकी बार धान का बड़ा हिस्सा बाढ़ की वजह से तबाह हो गया था। हरियाणा के किसान एमएसपी के लिए दर-दर भटकते रहे लेकिन बीजेपी सरकार ने किसानों का एमएसपी नहीं दी। बावजूद इसके खरीद पिछले सीजन से भी ज्यादा दिखा दी गई। यह सैकड़ों हजार करोड़ के घोटाले की तरफ साफ संकेत है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातीचत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछली बार जो घोटाला उजागर हुआ था, उसकी जांच रिपोर्ट अब तक सामने नहीं आई है और करनाल में एक और घोटाला उजागर हो गया है। यह सिर्फ करनाल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे हरियाणा में ऐसा हो रहा है, क्योंकि किसी भी किसान को उसकी फसल की एमएसपी नहीं मिल रही है। यह सरकार न किसानों को एमएसपी दे रही है, न मुआवजा और न ही खाद। खाद लेने के लिए किसानों को लाइन में खड़ा करके उन पर अपराधियों की तरह मोहर लगाई जा रही है। यह अन्नदाता का अपमान है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और युवाओं को खेलों की तरफ ले जाने के लिए 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति बनाई थी।

शहर में घरों पर 25 हजार आरएफआईडी टैग लगाएः शर्मा

रोहतक। नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इसी कड़ी में सोमवार को निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सफाई शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि शहर के सभी वार्डों में नियमित रूप से सफाई और कचरा उठान का कार्य समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने वाली एजेंसी द्वारा अब तक करीब 25,000 आरएफआईडी टैग लगाए जा चुके हैं। इस कार्य में और तेजी लाने के लिए एजेंसी को निर्देश दिए गए हैं। वे अपने घरों, दुकानों और संस्थानों पर आरएफआईडी टैग अवश्य लगवाएं।

स्वच्छ रोहतक अभियान को मिलेगी नई रफ्तार, निगम आयुक्त ने दी सख्त हिदायतें

ग्वाला पहाड़ी गुरुग्राम और पंचगांव मानेसर में स्थापित सीएक्यूएसएस ने जारी किया डाटा

प्रदूषण को लेकर एचपीसीबी की घोर लापरवाही 37 में से 35 सीएक्यूएमएस महीनों तक बंद रहे

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

प्रदूषण डाटा को लेकर हरियाणा सरकार की एक बड़ी संवेदनहीनता उजागर हुई है। पॉल्यूशन को लेकर काफी समय से काम रही संस्था एनवायरोकैटलिस्टस नई दिल्ली ने खुलासा किया है कि हरियाणा के 37 में से 35 कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन(सीएएक्यूएमएस)महीनों तक बंद पड़ रहे। इनके रखरखाव का जिम्मा हरियाणा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (एचपीसीबी) का है। बोर्ड ने इतनी लापरवाही बरती है कि कुछ ने तो जनवरी में ही काम करना बंद कर दिया था। इन्हें अक्टूबर में जाकर रिस्टेट किया गया। बताया तो ये भी जा रहा है कि रिस्टेट के बाद भी सीएएक्यूएमएस ठीक से डाटा उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय स्थित स्टेशन को देखा जा सकता है। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में इसे रिस्टेट किया गया था। लेकिन स्टेशन से रेग्यूलर डाटा अब भी नहीं मिल रहा है। ऐसा ही हाल दूसरे स्टेशन को भी बताया जा रहा है। कुछ स्टेशन तो अभी तक रिस्टेट भी नहीं किए गए हैं।

जरूरत के मुताबिक नहीं

प्रदेश के अंबाला, बहादुरगढ़, बलभगढ़,भिवानी, चरखीदादरी, धारूहेड़ा, फतेहगढ़, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, मांडीकलां, मानसेर, नारनौल,पलवल, पंचगांव मानेसर,पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, यमुनानगर फरीदाबाद और गुरुग्राम में सीएएक्यूएमएस स्थापित किए गए हैं। जितने शहरों में स्टेशन हैं, वे जरूरत के मुताबिक डाटा उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। इसका कारण है कि शहरों की आबादी ज्यादा है और स्टेशन कम हैं। मालूम रहे कि जहां आबादी 1 से 5 लाख तक है वहां 4, 5 से 10 तक 6, 10 से 50 तक 8 और 50 लाख से अधिक आबादी वाले शहर में सीएएक्यूएमएस स्थापित होने चाहिए। संख्या इतनी होने पर ही प्रदूषण का सही डाटा मिलेगा। स्टेशनों की संख्या तो आड़े आ रही थी कि गत जनवरी से इनकी कार्यप्रणाली पर ही सवालियां निशान लगे हुए हैं। काफी स्टेशन महीनों तक बंद पड़े रहे।

अनुबंध हुआ था खत्म

जिस कंपनी ने स्टेशन स्थापित किए थे,उसका अनुबंध गत जनवरी में खत्म होना शुरू हो गया था। इसलिए कंपनी ने सरकार को डाटा भेजना बंद कर दिया। सीएएक्यूएम स्टेशन अपना डाटा ऑनलाइन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजता है। इस डाटा का विशेषज्ञ लगातार विश्लेषण करते रहते हैं। एरिया में कितना एक्यूआई है और इसमें कितनी बढ़ोतरी हो रही है, इस पर सीएएक्यूएम स्टेशन से ही नजर रखी जाती है। देशभर में इस समय 242 शहरों का 452 सीएएक्यूएम स्टेशनों से 24 घंटे प्रदूषण डाटा लिया जा रहा है। सर्वविदित है देश में प्रदूषण की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। सरकार के पास पॉल्यूशन को कम करने की ठोस नीति आज तक नहीं है। इसी कारण से सुप्रीम कोर्ट भी सरकारों को खरी-खोटी तक सुना चुका है। जब अक्टूबर-नवंबर में धान की कटाई प्रारंभ होती है। किसान पराली जलाते हैं तो प्रदूषण बढ़ता है ऐसे तर्क सरकार लगातार गढ़ रही है। जबकि प्रदूषण फैलाने में पराली जलाना 15-16 प्रतिशत ही जिम्मेदार है।

31 शहरों में 37 मॉनिटरिंग स्टेशन

एनवायरोकैटलिस्टस नई दिल्ली के कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अरूण कुमार बताते हैं कि हरियाणा के 31 शहरों में 37 मॉनिटरिंग स्टेशन होने के बावजूद, फरवरी से अगस्त के बीच अधिकांश स्टेशन बंद पड़े थे। ग्वाला पहाड़ी गुरुग्राम और पंचगांव मानेसर को छोड़कर बाकि स्टेशन क्लोज थे या फिर आधा-अधूरा डाटा दर्ज कर रहे थे। इस वजह से राज्य के शहरों से सही डाटा कई महीने तक लगातार नहीं मिला। अब विश्वसनीय प्रदूषण डाटा को लेकर बेसलाइन स्थापित होना मुश्किल हो रहा है। पीएम 2.5 और पीएम 10 में कितना सुधार हुआ या नहीं। इसकी जानकारी डाटा से मिलती है। कुमार ने कहा कि कई महीने तक स्टेशनों ने डाटा दर्ज नहीं किया है। अब ऐसे में ये कैसे तय हो पाएगा कि इस साल वायु प्रदूषण कम हुआ है या बढ़ा है। डाटा की अन-उपलब्धता से किसी भी शहर की हवा का वास्तविक आकलन होता है। डॉ. यादव ने बताया कि सही डाटा उपलब्ध न होने का असर स्वच्छ वायु कार्यों पर सीधा पड़ता है।

विशेष: बाल दिवस, 14 नवंबर

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

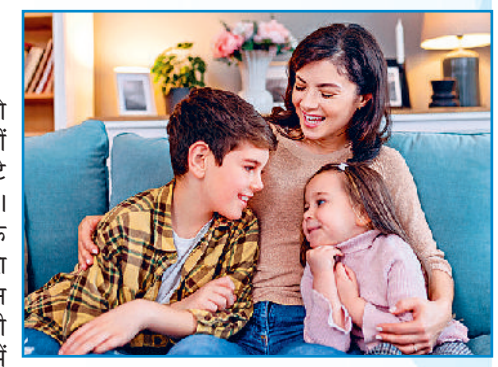

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकार: हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्ताव: लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं। a

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकास: बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूत: कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोता: चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकास: जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञान: बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगार: कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धि: कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है। a

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस

ललिता गोयल

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएं: बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करें: कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचाव: अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखें: बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करें: नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमाल: केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएं: ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है। a

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन

चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीज: यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीज: यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षण: बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारण: डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना। a

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

लोकेश ने तलवारबाजी में गोल्ड मेडल जीता

रोहतक। छात्र लोकेश सिहाग ने इपी फेंसिंग गेम (तलवारबाजी) में गोल्ड मेडल जीतकर रोहतक व हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है। लोकेश सिहाग चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली में बीपीएड अंतिम वर्ष का छात्र है। दो नवम्बर 2025 में की जीएनडीयू अमृतसर में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी खेल का आयोजन चल रहा था, जिसमें लगातार तीसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले अब हरियाणा ऑलंपिक खेल फरीदाबाद में हुए, जिसमें लोकेश ने गोल्ड मेडल जीता था। अब 25 नवम्बर 2025 में कोटा, राजस्थान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमें अपनी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जीतने का लक्ष्य है।

चुनाव आयोग जैसी संस्था पर आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी शमशेर खरक ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। खरक ने राहुल गांधी के वोट चोरी वाले सवालों पर कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी हालत खराब है, जनता कांग्रेस के नेताओं और नीतियों के नकार चुकी है। वोट चोरी के नाम पर सिर्फ भ्रम फैलाया जा रहा है, दरअसल देश में लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस वोट चोरी के नाम पर जनता को मूर्ख बनाने का असफल प्रयास कर रही है।

एनएसएस के राष्ट्रीय एकता शिविर का समापन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर (4 से 10 नवम्बर 2025) का सोमवार को भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत मुख्य अतिथि रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, इंटर डिसिप्लिनरी स्टडीज प्रो. राजीव कुमार तथा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च के निदेशक प्रो. प्रदीप अहलावत उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं एनएसएस लक्ष्य गीत के साथ हुआ।

अतिथि शिक्षक पदों के लिए साक्षात्कार 14 को

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के शिक्षा विभाग में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के संचालन हेतु अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के लिए वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार 14 नवंबर 2025 (गुरुवार) को प्रातः 11:00 बजे विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग के कार्यालय में संपन्न होगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी आवश्यक शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी दस्तावेजों की प्रतियां 13 नवंबर 2025 तक शिक्षा विभाग, एमडीयू, रोहतक के कार्यालय में जमा कराएं। डॉ. माधुरी हुड्डा ने बताया कि साक्षात्कार पूर्ण रूप से निर्धारित नियमों और विवि की शर्तों के अनुरूप आयोजित किया जाएगा।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान लॉन्ग जंप में भाग लेते प्रतिभागी।

राजकीय महिला महाविद्यालय में 65वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

- प्राचार्य शमशेर सिंह ने स्पोर्ट्स बोर्ड सदस्यों के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में 65वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने किया। प्राचार्य शमशेर सिंह ने स्पोर्ट्स बोर्ड सदस्यों के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम कनवीनर बसंत कुमार व खेल बोर्ड सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक मार्च पास्ट से हुई, जिसमें एनसीसी, एनएसएस एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि मनीष ग्रोवर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए क्रिकेटर शेफाली वर्मा की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि सभी छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेकर अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। पहले दिन के परिणामों में लॉन्ग जंप में कोमल प्रथम, मीनू द्वितीय व संजना तृतीय रही। 200 मीटर दौड़ में मीनू ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि स्नेहा व कोमल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो में आदिति प्रथम, महक द्वितीय व आयुषी तृतीय रहीं। 400 मीटर में मीनू ने पुनः प्रथम स्थान प्राप्त किया। जैवलिन थ्रो में महक ने बाजी मारी। कनवीनर बसंत कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता दो दिन चलेगी और समापन समारोह में उपायुक्त सचिन गुप्ता विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया।

रोहतक। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान रेस में भाग लेते प्रतिभागी।

रोहतक। विजेताओं को सम्मानित करते पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर।

सातवीं हरियाणा राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन

स्केटिंग इवेंट्स में रोमांचक मुकाबलों से खिलाड़ियों ने जीता सबका दिल

- खेलों में दिखा फूर्ती, चुस्ती और तंदरूस्ती का संगम
- विजेता खिलाड़ियों का पुरस्कार से किया सम्मान

मीडिया संयोजक डॉक्टर जनक राज ने बताया कि 500 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़के): सोनीपत के विहान दहिया ने गोल्ड मेडल जीतकर शानदार शुरुआत की। हिसार के हरवीर ने सिल्वर और गुरुग्राम के अध्यक्ष ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित सातवीं राज्य स्तरीय अंडर-11 स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में आज स्केटिंग इवेंट्स में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी फुर्ती, संतुलन और तकनीक से दर्शकों का मन मोह लिया। बॉक्स

नोडल अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा ने मेडल पहनाकर कर सम्मानित किया, इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का है कि हर ट्रैक पर दौड़ते इन नन्हे स्केटर्स ने यह साबित किया है कि सपनों की रफ्तार किसी उम्र की मोहताज नहीं होती, खेल केवल पदक जीतने का जरिया नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और अनुशासन की पहचान है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह ने सभी विभिन्न जिलों से आए प्रशिक्षकों और टीम इंचार्ज, प्रतियोगिता को सफल बनाने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, शारीरिक शिक्षक रोहतक के प्रधान विकास डीपीई, एईईओ राकेश सिवाच, पूर्व एईओ अनिल हुड्डा, प्रिंसिपल संदीप नैन, डॉक्टर जनक राज, ओमपाल डीपीई, कुलदीप पीटीआई, मुकेश डीपीई आदि रहे।

रोहतक। स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे परिणाम

1000 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़कियां): करनाल की मायरा (पुत्री दीपक) ने गोल्ड, गुरुग्राम की तृप्ति ने सिल्वर और पंचकूला की मायरा (पुत्री सुनील कुमार) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। **1500 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़के):** सोनीपत के विहान दहिया ने अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल जीता, गुरुग्राम के अतिक्ष खंडेलवाल ने सिल्वर और सोनीपत के देवेश ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। **1500 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़कियां)** पंचकूला की कायना भारद्वाज ने गोल्ड, फरीदाबाद की श्रुति गर्ग ने सिल्वर और गुरुग्राम की सीधीका सक्सेना ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

ये भी बने विजेता

1500 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़के)(सोनीपत के काव्य शर्मा और आयुष अंतिम ने क्रमशः गोल्ड और सिल्वर जीते, जबकि फरीदाबाद के अद्विक ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। 1500 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़कियां) फरीदाबाद की सियोना ने गोल्ड मेडल, गुरुग्राम की परिणीति झा ने सिल्वर और प्रिशा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया।

प्रतियोगिता के प्रतिभावान खिलाड़ी

500 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़कियां)। फरीदाबाद की गायत्री ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। झज्जर की सौम्या ने रजत और सोनीपत की हिमांगी ने कांस्य पदक जीता। **500 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़के)।** सोनीपत के आयुष अंतिम ने गोल्ड, सोनीपत के ही गर्वित ने सिल्वर और पानीपत के पुनीत कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। **500 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़कियां)।** गुरुग्राम की परीक्षा ने गोल्ड, फरीदाबाद की सोना ने सिल्वर और पंचकूला की हर्षिता ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। **1000 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़के)।** सोनीपत के विहान दहिया ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता, हिसार के हरवीर ने सिल्वर और फतेहाबाद के कनिष्क ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। **1000 मीटर इनलाइन इवेंट (लड़कियां)** पंचकूला की कायना भारद्वाज ने स्वर्ण, गुरुग्राम की आर्याह ने रजत और झज्जर की सौम्या ने कांस्य पदक हासिल किया। **1000 मीटर क्वॉड इवेंट (लड़के)** अंबाला के अरनव ने गोल्ड मेडल जीता, गुरुग्राम के युवान चौहान ने सिल्वर और करनाल के कुशीन ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

मार्केट न्यूज

लोहचब होंडा में लकी ड्रॉ कार्यक्रम का आयोजन

रोहतक। दिल्ली रोड स्थित लोहचब होंडा ने त्योंहारी सीजन में नए 1100 ग्राहकों के जुड़ने पर लकी ड्रॉ कार्यक्रम का आयोजन किया। ग्राहकों को इस त्योंहारी सीजन का इंतज़ार हमेशा रहता है क्योंकि पिछले 9 साल से हर साल लोहचब होंडा लक्की ड्रॉ कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है। शोरुम के मैनेजर जितेन्द्र नांदल ने बताया प्रथम पुरस्कार में लता प्रसाद को सैमसंग एलईडी, द्वितीय पुरस्कार नरेश को सेमसंग फ्रिज, तृतीय पुरस्कार ऋतु को सैमसंग वॉशिंग मशीन व आठ अन्य ग्राहकों को भी पुरस्कार मिले। उन्होंने उन सभी ग्राहकों का धन्यवाद किया जिन्होंने लोहचब होंडा से खरीदारी की और इस आयोजन में भाग लिया। इस मौके पर ऋतु, महेश, साहिल, सुमित, राहुल, अरुण, नीरज, रवि, विनोद, दीपक मौजूद रहे।

रामा आश्रम में भागवत कथा का शुभारंभ

रोहतक। बाबा चन्द्रभान महाराज के पावन आशीर्वाद से रामा आश्रम, श्रीनगर कॉलोनी में सोमवार से श्री भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। यह कथा 10 नवम्बर से 16 नवम्बर तक प्रतिदिन सांय 4:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा का वाचन सुप्रसिद्ध कथावाचक महंत रामानुज दास महाराज, गद्दीनशीन रामा आश्रम द्वारा किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिन प्रातः 10:00 बजे एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो शहर की प्रमुख गलियों और मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। इस यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और "हरे कृष्ण, हरे राम" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। व्यासपीठ पर विराजमान रामानुज दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक वर्णन किया। कथा के दौरान मधुर झांकियों का भी सुंदर प्रदर्शन किया गया। कथा व्यास रामानुज दास महाराज ने अपनी मधुर वाणी में कृष्ण भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

सोहम धर्मार्थ ट्रस्ट के नए प्रधान बने अवनीश सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ग्रीन रोड स्थित स्वामी अमरानंद धनकौर सोहम धर्मार्थ ट्रस्ट का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें अवनीश कुमार सैनी को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का नया प्रधान चुना गया। चुनाव की अध्यक्षता ट्रस्ट के पूर्व प्रधान एवं नगर निगम के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने की। सभी ट्रस्टियों की सर्वसम्मति से मनमोहन गोयल को ट्रस्ट का संरक्षक नियुक्त किया गया। वहीं, नई प्रबंधक समिति में सरदार हवा सिंह सैनी को उप-प्रधान, डॉ. रविंद्र कुमार चौधरी को सचिव, ओमप्रकाश सैनी को सह-सचिव और हरीकृष्ण सैनी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। गौरतलब है कि नवनियुक्त प्रधान अवनीश कुमार सैनी सैनी एजुकेशन सोसाइटी के भी वर्तमान प्रधान हैं। उनके नेतृत्व में समाजसेवा और शैक्षिक कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

- पूर्व मेयर मनमोहन गोयल की अध्यक्षता में हुआ चुनाव

नवीनतम तकनीकों से परिचित कराना प्रशिक्षण का रहा मुख्य उद्देश्यः सुमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना में कला शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम प्राचार्य वीरेंद्र कुमार मलिक की अध्यक्षता में हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक सुमन लता रही। सुमन लता ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कला शिक्षण की नवीनतम तकनीकों एवं पद्धतियों से अवगत कराना है, ताकि शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी तथा विद्यार्थियों के लिए रोचक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा में कला का समावेश विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, कल्पनाशक्ति और आत्मविश्वास को विकसित करता है। डॉ सुमन लता ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 तारीख से शुरू किया गया था। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में कला, अंग्रेजी तथा संस्कृत के अध्यापकों का भी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। प्राचार्य ने बताया कि डाइट मदीना द्वारा समय-समय पर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों की जानकारी प्राप्त हो सके और वे उन्हें व्यवहारिक रूप में विद्यालयों में लागू कर सकें।

महम। मदीना डाइट में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते शिक्षक।

महम। आर्य स्कूल मदीना के विजेता विद्यार्थी प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए।

म्यूजिक फेस्टिवल में आर्य स्कूल मदीना प्रथम

महम। एमडीयू में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित ओपन यूथ म्यूजिक फेस्टिवल में आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने समूह लोक वाद्य यंत्र एवं एकल वाद्य यंत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में अनेक विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। लेकिन आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्रा दीया ,कामना व छात्र निशांत ,गौरव ,आर्य, अभिषेक ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सामूहिक लोक वाद्य यंत्र एवं एकल वाद्य यंत्र में सभी को मात देते हुए इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सांपला पुलिस ने दिखाई ईमानदारी की मिसाल एटीएम में गिरे 48,400 रुपये मालिक को लौटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ईमानदारी की एक मिसाल पेश करते हुए थाना सांपला पुलिस चौकी की टीम ने उस युवक को उसके 48,400 रुपये वापस लौटाए, जो गलती से एटीएम मशीन में फंस गए थे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता ने एक बार फिर जनता का भरोसा बढ़ाया है। जानकारी के अनुसार 8 नवम्बर को एक युवक एचडीएफसी बैंक के एटीएम सांपला में रुपये जमा कराने आया था। युवक जल्दबाजी में पैसे मशीन में डालकर चला गया, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण रुपये मशीन में जमा नहीं हुए और एटीएम के कैश बॉक्स में गिर गए। कुछ देर बाद बैंक स्टाफ ने मशीन में अटके रुपये देखे और इस संबंध में सांपला पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सांपला प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने एटीएम मशीन से रुपये निकालकर गिनती की, जो कुल 48,400 रुपये निकले। पुलिस ने रकम को अमानत के तौर पर चौकी में सुरक्षित रखा और असल मालिक की पहचान के लिए जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला मालिक का पता

मामले की गहराई से जांच के दौरान पुलिस ने एटीएम के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली, जिसमें रुपये जमा करने वाला युवक साफ नजर आ रहा था। फुटेज के आधार पर युवक की पहचान की गई और उसे संपर्क कर चौकी बुलाया गया। सत्यापन के बाद पुलिस ने 10 नवम्बर को युवक को पूरे 48,400 रुपये वापस लौटा दिए।

एमडीयू में फ्यूचर स्किल्स प्राइम पर दो दिवसीय कार्यशाला

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन द्वारा नैसकॉम के सहयोग से फ्यूचर स्किल्स प्राइम ओरिएंटेशन-कम-वर्कशॉप विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में सॉफ्ट स्किल्स, डिजिटल दक्षता एवं करियर तत्परता विकसित कर उन्हें उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप फ्यूचर-रेडी बनाना था। कार्यक्रम का आयोजन यूआईईटी के सिविल एवं इलेक्ट्रिकल ब्लॉक स्थित सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यशाला का संचालन नैसकॉम टीम के सदस्य श्री संकल्प द्वारा किया गया।

वैश्य विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का सम्मान समारोह आयोजित

कैंप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

- कैडेट शिवा को बेस्ट इन लीडर का अवार्ड ट्रॉफी सहित दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का एटीसी-151 प्रशिक्षण कैंप पूरा करने के बाद विद्यालय पहुंचने पर भव्य स्वागत व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। फर्स्ट हरियाणा एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल सुखविंदर सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अमन चौधरी के नेतृत्व में आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विद्यालय के कैडेट्स ने अनुशासन, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

रोहतक। विजेता कैडेट्स को पुरस्कृत करते फर्स्ट हरियाणा एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल सुखविंदर सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अमन चौधरी। फोटो : हरिभूमि

प्राचार्य प्रवीण कुमार ने किया प्रेरित

शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पुरस्कृत किया गया। कैडेट शिवा को बेस्ट इन लीडर का अवार्ड ट्रॉफी सहित दिया गया, वहीं ड्रिल कमांड में दिलीप और शिवा को सेकंड पोजीशन (सिल्वर मेडल) प्राप्त हुआ। एक्सटेंपोर प्रतियोगिता में निखिल गुप्ता ने फर्स्ट पोजीशन (गोल्ड मेडल) और दक्ष ने सेकंड पोजीशन (सिल्वर मेडल) हासिल की। प्राचार्य प्रवीण कुमार बंसल, एनसीसी अफसर कैप्टन सतीश भारद्वाज, उप-प्राचार्या अंजना गुप्ता एवं स्टाफ सदस्यों ने सभी विजेता कैडेट्स को उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एनसीसी अफसर कैप्टन सतीश भारद्वाज के नेतृत्व में कैडेट्स द्वारा निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय प्रबंधन ने संतोष व्यक्त किया। वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान विकास गोयल, उप-प्रधान अनिल बिंदल, महासचिव राधेश्याम गर्ग (पुट्ठी वाले), सह- महासचिव अनिल बंसल , कोषाध्यक्ष पवन मित्तल (खरकिया) ने एनसीसी अफसर और सभी कैडेट्स को शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी।

खबर संक्षेप

मोखरा में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

महम। धर्मकौर भारत चैरिटेबल ट्रस्ट मोखरा की तरफ से साक्षी मलिक गवर्नमेंट कालेज के ग्राउंड में सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों की छात्राओं और छात्रों की दौड़, लम्बी कूद और गोला फेंक की प्रतियोगिताएं कराई गई। इस आयोजन के विभिन्न आयु समूहों के विजेता खिलाड़ियों को आठ और नो नवम्बर को आर्य समाज के वार्षिक उत्सव में पुरस्कार प्रदान किए गए।

बिना प्रिस्क्रिप्शन के मरीजों को दवा न बेचे केमिस्ट

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जिला के दवा विक्रेता को बिना प्रिसक्रिप्शन के ग्राहकों को दवाएं न देने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में जिला के दवा विक्रेताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। गुप्ता ने कहा कि प्रशासन और केमिस्ट एक टीम का हिस्सा है और दवाइयां के दुरुपयोग को रोकना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में प्राची रही बेस्ट एथलीट

सांपला। राजकीय सर छोटू राम कन्या महाविद्यालय में सोमवार को 25वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर व हरियाणा पुलिस इंस्पेक्टर कविता चहल व विशेष अतिथि ग्रुप ऑफ रियल एस्टेट डायरेक्टर चंद्र बक्शी व सुधीर खरब रहे। मुख्य अतिथि चहल ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन परिश्रम और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों को टीमवर्क के महत्व को भी समझाया। चंद्र बख्शी ने कहा कि खेलों से विधार्थियों का सर्वांगीण विकास होता।

अतिक्रमण मुक्त शहर के लिए सख्त हुई निगम टीम

रोहतक। नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान तेज कर दिया है। निगम की टीम ने सोमवार को झज्जर चुंगी से सुनारिया चौक तक दुकानों के बाहर रखे सामान को जब्त किया। इस दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन निगम अधिकारियों ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई जारी रखी। देखते ही देखते दुकानों के बाहर से रखा सामान हटने लगा और सड़कें खाली हो गईं।

शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में भय का माहौल: अनिल भाटिया

शहर के व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक के साथ की मुलाकात

व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष हाल ही में सोनीपत रोड स्थित सैमसंग शोरूम में हुई 40 लाख की चोरी की वारदात का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से चिंतित व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व हरियाणा उद्योग व्यापार हित मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अनिल भाटिया और पूर्व निगम पार्षद गुलशन ईशपुनियानी ने संयुक्त रूप से किया। व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष हाल ही में सोनीपत रोड स्थित सैमसंग शोरूम में हुई 40 लाख की चोरी की वारदात का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे शहर के व्यापारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। व्यापारियों ने मांग की कि चोरी की घटना का जल्द खुलासा किया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

■ सैमसंग में हुई थी 40 लाख की चोरी

रोहतक। व्यापारी एसपी से मिलने आए। फोटो : हरिभूमि

कानून व्यवस्था पर जताई गहरी चिंता

प्रदेश अध्यक्ष अनिल भाटिया ने बैठक के दौरान कहा कि दिन-प्रतिदिन हरियाणा प्रदेश, विशेषकर शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है। व्यापारी वर्ग लगातार असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस को सक्रियता बढ़ाते हुए शहर में गश्त और निगरानी को और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो।

पुलिस अधीक्षक ने दिलाया शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र मौरिया ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि सैमसंग शोरूम में हुई चोरी की घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा । उन्होंने कहा कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है तथा पुलिस गश्त, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और संदिग्धों की पहचान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

व्यापारियों ने सहयोग का भरोसा दिया

व्यापारी प्रतिनिधियों ने कहा कि वे पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में कोई ढिलाई न बरती जाए। बैठक के अंत में व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि पुलिस को रात्री गश्त, बाजार क्षेत्रों में पुलिस उपस्थिति और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को और सशक्त बनाना चाहिए। व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए संयुक्त पुलिस-व्यापारी समन्वय समिति बनाने का भी सुझाव दिया गया। व्यापारी संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि चोरी और लूटपाट की घटनाओं पर जल्द अंकुश नहीं लगाया गया तो वे आंदोलन की राह अपनाने पर मजबूर होंगे। पुलिस अधीक्षक ने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर है और हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मौजूद रहे प्रमुख व्यापारी

प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से जोगेन्द्र सैनी, अमर अरोड़ा, नंद किशोर कपूर, गुलशन डंग, ललित मोहन सैनी (प्रदेश प्रवक्ता), जिला प्रधान सूरज रसवंत, जगदीश चिटकारा, दीपक साहनी, राकेश कवातड़ा, अशोक बुद्धिराजा, नरेश हुडिया, गुलशन उप्पल, नीलू आहूजा, सोमनाथ आहूजा, सुरेन्द्र कवातड़ा, सतीश कत्याल, संजय सिक्का, पूर्ण चुघ, गिरधारीलाल कपूर, राजकुमार ढल, कवल किशोर भाटिया, कालू कवातड़ा, वेद ईशपुनियानी, विजय कपूर, मदन मुखीजा, रामजी दास मिगलानी सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

43 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का शुभारम्भ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वार्ड 14 में सुभाष नगर के पार्क चौक पर कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने सड़क निर्माण का शुभारम्भ किया। इस सड़क पर करीब 43 लाख रुपये की लागत आएगी और स्थानीय लोगों को इससे बहुत फायदा होगा। कई साल से लोग टूटी सड़क की वजह से परेशान थे7 इस दौरान विधायक ने कहा कि जल्द ही पार्कों के रखरखाव के लिए भी कार्य करवाया जाएगा। आरडब्ल्यूए ने विधायक का सुभाष नगर में पहुंचने पर स्वागत किया। आरडब्ल्यूए के सदस्य प्रवीन सहगल ने बताया कि विधायक बीबी बत्रा ने सुभाष नगर की उन सड़कों के लिए विधायक फंड से 43 लाख की राशि दी जो सड़कें काफी खराब थी। इस अवसर पर प्रवीन सहगल, महासचिव कमल दुरेजा, राजन मदान, सरपंच ओम प्रकाश खत्री, राजकुमार डंग, राजेश मलिक, अशोक अरोड़ा, अरुण अरोड़ा, सुरेन्द्र सहगल, अशोक ठकराल, शैलेन्द्र शर्मा, हंसराज आनन्द, राजकुमार गांधी, राजपाल सपड़ा आदि मौजूद रहे।

डॉ. सत्यवीर को मिला मुंशी प्रेमचंद समर्पण समाज गौरव 2025 सम्मान

रोहतक। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में निराला चैरिटेबल ट्रस्ट, कलानौर (हरियाणा) के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. सत्यवीर सिंह निराला को समाज सेवा, आध्यात्मिक जागृति, महिला सशक्तिकरण तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुंशी प्रेमचंद समर्पण समाज गौरव 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किया गया।यह कार्यक्रम समर्पण संस्था, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, साहित्यकार और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां शामिल हुईं। डॉ. निराला को उनके निरंतर सामाजिक सरोकारों, ग्रामीण विकास कार्यों और समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार के लिए सराहा गया।

सुशील सैनी को मिला श्री रोहित सरदाना स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार

रोहतक। वरिष्ठ पत्रकार सुशील सैनी को श्री रोहित सरदाना स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें साहित्य सभा कैथल द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित कवि-सम्मेलन, पुस्तक-लोकार्पण एवं सम्मान-समारोह के दौरान प्रदान किया गया। इस मौके पर साहित्य सभा के कवि सम्मेलन में कुल 15 पुस्तकों का लोकार्पण तथा 25 साहित्यकारों एवं पत्रकारों को सम्मानित किया गया। बता दें कि सुशील सैनी पत्रकारिता क्षेत्र में पिछले करीब 28 वर्षों से सक्रिय हैं और हरियाणवी सिनेमा पर तीन पुस्तकें लिख चुके हैं। इस आयोजन में सेवानिवृत भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी एवं वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुमेधा कटारिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के उर्दू भाषा प्रकोष्ठ के निदेशक डा. चंद्र त्रिखा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय साहित्य अकादमी से सम्मानित साहित्यकार डा. पाल कौर, उद्योगपति एवं साहित्यकार डा. जय भगवान सिंगला और सेवा संघ कैथल के प्रधान डा. शिव शंकर सिंह पाहवा पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन सभा के महासचिव डा. प्रद्युम्न भल्ला और डा. अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। आरकेएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल गगन मित्तल एवं महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. संजय गोयल ने मुख्य रूप से शिरकत की।

इमसार विद्यार्थियों का औद्योगिक दौरा

रोहतक। मदवि के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च के विद्यार्थियों ने आज लोटे इंडस्ट्रीज और भगवती प्रिसीजन इंडस्ट्रीज, रोहतक का शैक्षणिक औद्योगिक दौरा किया। इस औद्योगिक भ्रमण को संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप अहलावत ने डॉ. आरती, डॉ. सपना एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार के साथ मिलकर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सौरभ कांत के निर्देशन में कुशलता से आयोजित की गई। यह औद्योगिक दौरा संस्थान के टूर एंड ट्रेवल क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया, जो करियर ओरिएंटेड एंड प्रोफेशनल स्किल एनहांसमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. कर्मवीर श्योरण के संयोजन में कार्यरत है।

भारत में पहली बार आयोजित "रोप स्किपिंग हरियाणा चैलेंज कप" में खिलाड़ियों को दिए आठ लैपटॉप

■ 12 राज्यों के 250 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, हर प्रतिभागी को मिला विशेष उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया वर्ल्ड कैंपस सेक्टर-34 सनसिटी में रोप स्किपिंग संगठन हरियाणा द्वारा पहली बार हरियाणा चैलेंज कप प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 12 राज्यों के 18 स्कूलों से लगभग 250 खिलाड़ी, 50 अभिभावक और 40 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल मैनेजिंग डायरेक्टर अंशुल पठानिया और पहले भारतीय रोप स्किपिंग मेडलिस्ट अनिल शर्मा ने रिबन काटकर किया। उनके साथ देवेश मांडोठिया (दिल्ली) और दिनेश नवल भी उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण में कीर्तिमान

संघ सचिव मनदीप कुमार ने बताया कि पिछले 10 वर्षों से वे इस खेल को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहे हैं, लेकिन इस बार पहली बार इतने बड़े स्तर पर इनाम वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 8 लैपटॉप, द्वितीय स्थान वालों को 8 एलईडी टीवी, तृतीय स्थान वालों को 8 ब्लूटूथ स्पीकर, चतुर्थ स्थान वालों को 8 लैपटॉप बैग और लगभग 150 सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

विशिष्ट अतिथियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

कार्यक्रम में आयोजन फाउंडेशन के सचिव करण प्रताप सिंह, नेक्स्ट फाइनेंस एजुकेशन के डायरेक्टर रामनिवास, स्वराज एजेंसी बेरी के डायरेक्टर वीरेन्द्र कादयान, पंचरत्ना स्टील्स प्रा. लि. के डायरेक्टर करण मखीजा, सुमन राठी, अमित घनघस, हरियाणा डिजिटल मीडिया के योगेश, सतेन्द्र मान और कविता राठी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि करण प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रेरणादायक प्रतियोगिता उन्होंने पहली बार देखी है और भविष्य में इस आयोजन से जुड़े रहेंगे।

अधिकारी कार्यालयों में शुरू करें बायोमेट्रिक हाजरी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए है कि वे अपने कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू करें ताकि नागरिकों को समय पर सेवाएं मिल सके। सभी अधिकारी व कर्मचारी सरकार द्वारा निर्धारित समय के दौरान कार्यालयों में उपस्थिति सुनिश्चित करें। बायोमेट्रिक अटेंडेंस के आधार पर सैलरी का भुगतान किया जाएगा। सचिन गुप्ता ने कहा है कि जिला में स्थित सभी सरकारी कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू की जाए ताकि कार्यालयों में आवश्यक कार्य से आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू होने से अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित अवधि के दौरान कार्यालय में उपस्थित रहकर नागरिकों को सेवाएं देंगे। डीसी ने कहा है कि अधिकारी व कर्मचारी नागरिकों को प्राथमिकता के आधार सेवाओं का समय पर लाभ दें। सरकार द्वारा सुबह 9 से सायं 5 बजे तक सरकारी कार्यालयों का समय निर्धारित किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

सांघी गांव में आयोजित हुआ फ्री हेल्थ कैंप

कैंप में पहुंचे 57 लोगों ने करवाई जांच, अनुभवी डॉक्टरों ने किया उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से संचालित विमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर द्वारा सांघी गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में गांव और आसपास के इलाकों से आए लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 57 लोगों ने आकर अपनी हड्डियों, कमर दर्द और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। कैंप में मौजूद अनुभवी डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और उनकी समस्याओं के अनुसार सही उपचार एवं फिजियोथैरेपी से जुड़ी सलाहें दीं। डॉक्टरों ने बताया कि अधिकांश मरीजों में लंबे समय से बैठकर काम करने, शारीरिक मेहनत की कमी, तथा उम्रजनित कारणों से जोड़ों में दर्द और अकड़न की समस्या देखी गई।

हर सप्ताह होता है आयोजन

संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि यह फ्री कैंप हर सप्ताह सांघी गांव के बस अड्डे के पास आयोजित किया जाता है। इसमें गांव और आस-पास के क्षेत्र के लोग आकर अपना निःशुल्क इलाज करवाते हैं। उन्होंने बताया कि यह कैंप लगातार चल रहा है और इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना है।

दूर-दराज से पहुंचते हैं मरीज

तस्वीर हुड्डा ने कहा कि कैंप में इलाज की गुणवत्ता और डॉक्टरों के अनुभव के कारण दूर-दूर से लोग यहां इलाज के लिए आते हैं। नियमित मरीज भी यहां अपनी फिजियोथैरेपी सेशन जारी रखते हैं, जिससे उन्हें स्थायी राहत मिल रही है।

समाजसेवी राजेश जैन का योगदान

संस्था के कोषाध्यक्ष नवनीत हुड्डा ने बताया कि यह कैंप रोहतक जिले के प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी राजेश जैन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उनका मानना है कि रोहतक में कोई भी गरीब व्यक्ति इलाज के बिना परेशान नहीं होना चाहिए। इसी सोच को साकार करने के लिए यह कैंप हर सप्ताह आयोजित किया जाता है।

छात्र सजग होकर रूकवाएं बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाल विवाह के खिलाफ अभियान के तहत सोमवार को गांव टिटौली के पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन एमडीडी ऑफ इण्डिया संस्था एवं संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी के सयुक्त तत्वावधान में शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी करमिन्दर कौर ने उपस्थित छात्र व छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भी हमारे समाज में बाल विवाह जैसी बुराई मौजूद है। बाल विवाह से बच्चों का न केवल बचपन बर्बाद हो जाता है बल्कि भविष्य भी खराब हो जाता है। बाल विवाह से जहां नाबालिग बच्चों के शारीरिक और मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है वहीं उन्हें कानूनी कार्यवाही का भी सामना करना पड़ता है। बाल विवाह की शिकार ज्यादातर लड़कियां होती हैं।

बाल विवाह अपराध

करमिन्दर कौर ने उपस्थित छात्रों से कहा कि कानूनी दृष्टि से 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह करना बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कि कानूनी अपराध है। बाल विवाह करवाने वाले या इसमें शामिल होने वालो को 2 साल तक की सजा और 1 लाख रूपये तक जुर्माने का प्रावधान है। यही नहीं नाबालिग लड़की से शादी करने पर लड़के पर पॉक्सो कानून के तहत मुकदमा चलेगा और कड़ी सजा होगी। इसके साथ-साथ शादी में मदद करने वालों पर भी मुकदमा बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में 18 साल से कम उम्र की बच्चों की शादी की कोई कानूनी मान्यता नहीं है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि हम अपने आसपास ध्यान रखें कि किसी नाबालिग का विवाह न हो। अगर कोई ऐसा करता है तो तुरन्त हेल्प लाइन नम्बर 181 या 112 पर इसकी जानकारी दें ताकि समय पर हस्तक्षेप करके नाबालिग का विवाह होने से रूकवाया जा सके। स्कूल की प्रिंसीपल सरोज नारा ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के लिए बहुत अधिक लाभकारी होते हैं।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

एक माह से अधूरी पड़ी सड़क, खड्डे बने हादसों का कारण, कोई नहीं ले रहा सूध

जलभराव और टूटी पाइपलाइन से लोगों की परेशानी चरम पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की तिलक नगर कॉलोनी में विकास कार्यों की लापरवाही ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। कॉलोनी निवासी सुखबीर दहिया ने बताया कि गली नंबर 18 से लेकर गली नंबर 15 तक करीब एक माह पहले पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए पूरी पक्की गली खोद दी गई थी। पाइप डालने के बाद गली को दोबारा नहीं बनाया गया, जिससे वहां की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार पाइप डालते समय कई घरों के पानी के कनेक्शन टूट गए थे, जिन्हें अब तक जोड़ा नहीं गया है। इसके कारण कई घरों में सप्लाई का पानी बंद है और टूटी पाइपलाइनों से लगातार पानी बहकर गलियों में भर रहा है। गली में पानी जमा रहने से न केवल आने-जाने में मुश्किल होती है, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों के गिरने का डर भी बना रहता है। एक घर तो ऐसा भी है जहां पिछले एक महीने से एक बूंद सप्लाई का पानी नहीं पहुंचा। गली नंबर 15 के चौराहे पर पानी की पाइपलाइन डालने के लिए बड़ा खड्डा खोदा गया था, जिसे अब तक भरा नहीं गया। इस खड्डे के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। राहगीर कई बार फिसलकर गिर चुके हैं और दोपहिया वाहन चालक भी यहां दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। रात के समय तो यह गड्ढा और भी खतरनाक साबित होता है क्योंकि अंधेरे में यह दिखाई नहीं देता।

पार्षद को भी अवगत करवा चुके

निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग और पार्षद को इस बारे में अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सुखबीर दहिया का कहना है कि कॉलोनी में न तो कोई सरकारी अधिकारी आया है, न किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि या जनप्रतिनिधि। यहां तक कि स्थानीय विधायक और सांसद को भी इस कॉलोनी की जानकारी तक नहीं है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि चुनावों के समय नेता वोट मांगने जरूर आते हैं, लेकिन जनता की समस्या सुनने कोई नहीं आता।

प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की

निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि टूटी पाइपलाइन की तुरंत मरम्मत कराई जाए, पानी की निकासी का इंतजाम किया जाए और खोदी गई गलियों को जल्द से जल्द पक्का किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। साथ ही गली नंबर 15 के चौराहे पर खुले पड़े खड्डे को तुरंत बंद किया जाए ताकि हादसों पर रोक लग सके। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल तिलक नगर कॉलोनी की गलियां बदहाल हैं और लोग जिम्मेदार अधिकारियों से राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं।